utilisation of the funds allocated for the purpose?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRIMATI SUSHILA ROHATGI): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Production of coking coal

929. SHRI SANTOSH KUMAR SAHU: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) what is the amount of coking coal produced during the last three years;

(b) the quantum of coking coal imported to supplement the indigenous supply to various agencies; and

(c) by when the country will become self-sufficient in the production of coking coal?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI VASANT SATHE): (a) The production of coking coal in the country during the last three years has been as under:—

(In lakh tonnes)

	1984-85	1985-86	1986-87
(i) Metallurgical coking coal	305·35	290·74	314·88
(ii) Non-Metallurgical coking coal	59·67	65·66	81·02
TOTAL :	365·01	356·40	395·90

(b) The imports of coking coal in the country by Steel Plants (SAIL & TISCO) during the last three years were as under:—

Year	Quantity (in million tonnes)	
1984-85	0.665	(only SAIL imported in this year)
1985-86	2.454	
1986-87	2.560	

(c) While indigenous production of medium and blendable coking coal is adequate, projections made upto 1994-95 indicate a continuing short-fall in the availability of prime coking coal. The import of superior qualities of prime coking coal would continue to meet the shortfall as well as for blending with indigenous mith coking coal to have a better quality input in coke ovens of Steel Plants.

पारीछा ताप बिजली घर

930. डा. गोविन्द दास रिछारिया: क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि झांसी के निकट पारीछा स्थित ताप बिजलीघर के दोनों यूनिट में खराबी आ जाने के कारण बंद कर दिए गए हैं ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) सरकार ने उनकी मरम्मत कराने के लिए क्या कदम उठाए हैं और इनकी मरम्मत कब तक कर दिए जाने की संभावना है ; और

(घ) सरकार ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या उपाय किए हैं ?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी): (क) से (घ) एल०पी० रोटर ब्लेडों के

क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण परीक्षा तापविद्युत केन्द्र का यूनिट-एक 27 सितम्बर 1987 से रिवरन बन्द है। क्षतिग्रस्त मीटर की मरम्मत की जा रही है। टाण्डा ताप विद्युत केन्द्र से रोटर इस यूनिट में लगाया जा रहा है और यूनिट के अगस्त 1987 के अंत तक पुनः चालू हो जाने की संभावना है। एक्साइटर रोटर के क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण कुछ समय के लिए यूनिट-2 रिवरन बन्द थी परन्तु इसे पुनः चालू कर दिया गया है और इस समय यह प्रचलन में है।

क्षतिग्रस्त होने के कारणों की जांच करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड ने एक जांच समिति का गठन किया है। जांच समिति के निष्कर्ष उपलब्ध हो जाने के बाद निवारक उपाय किए जाएंगे।

विद्युत की कमी के कारण सरकारी तथा गैर-सरकारी क्षेत्रों को उत्पादन में हुआ घाटा

931. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव: क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1985-86 और 1986-87 के दौरान विद्युत की कमी के कारण सरकारी क्षेत्र और गैर-सरकारी क्षेत्र को उत्पादन में कितनी-कितनी राशि का घाटा हुआ और श्रमिकों की हड़ताल आदि के कारण कितना घाटा हुआ ; और

(ख) सरकार इस संबंध में कौन-कौन से प्रभावी कदम उठा रही है ?

उद्योग मंत्री (श्री जे. वेंगल राव): (क) देश में निजी क्षेत्र के बहुसंख्यक एककों के अलावा सरकारी क्षेत्र के लगभग 225 उद्यम हैं तथा ब्यौरा एकत्र करने में कितना प्रयास करना होगा प्राप्तव्य परिणाम उसके अनुरूप नहीं प्रतीत होंगे।

(ख) सरकार बिजली की कमी तथा कामगारों द्वारा की जाने वाली हड़ताल के कारण उत्पादन में हुए घाटे को कम करने के लिये विभिन्न उपाय कर रही है। इनमें शामिल हैं—जहां कहीं आवश्यक जान पड़ने पर निजी उपयोगों के बिजली संयंत्रों की व्यवस्था करना बेहतर प्रबन्ध द्वारा संयंत्र के कार्यचालन में सुधार लाना अनुरक्षण एवं कार्मिक प्रशिक्षण। जहां तक हड़तालों का सम्बन्ध है, सरकार औद्योगिक सम्बन्धों में सुधार लाने तथा प्रबन्ध में कामगारों की भागीदारी आदि के प्रति निरन्तर वचनबद्ध है।

Industrial Development in Bihar

932. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the rate of industrial development in Bihar during the past three years;

(b) whether any industry has been set up in the industrially backward districts of the state;

(c) if so, what are the district-wise details; and

(d) what are the details regarding industrial development in the State during the current Five Year Plan?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) C.S.O. does not compile State-wise index of industrial production. However, based on the Bihar State Directorate of Statistics & Evaluation, Department of Planning, the indices of industrial production during 1981-82, 1982-83 and 1983-84 were as under:—

(Base 1970=100)

	Index of Ind. Prodn.	Percentage Change over previous year
1981-82 . .	156·24	+4·6
1982-83 . .	161·10	+3·1
1983-84 . .	162·03	+0·6